# BIO-DATA

| | | |
|---|---|---|
| Name | : | **Satyendra Pratap Singh** |
| Father's Name | : | Bhagwati Prasad Singh |
| Mother's Name | : | Premlata Devi |
| Date of Birth | : | 01.07.1961 |
| Email | : | kripanidhaan@gmail.com |
| Permanent & Postal Address | : | C-179/123 Madhavshree-Kaanan, Betiyahata, Gorakhpur U.P. 273001 |

**Educational Qualification :-**
**Ph.D. -** 1987 Gorakhpur University, Gorakhpur

**M.A. -** 1982 Gorakhpur University, Gorakhpur

**B.A. -** 1980 Gorakhpur University, Gorakhpur

**Research Topic :-** मध्यकालीन हिन्दी रामभक्ति साहित्य में योगतत्व

**Orientation Course : 01**

**Refresher Course : 03**

**छात्रवृत्ति / फेलोशिप** राष्ट्रीय छात्रवृत्ति 1980–82
रिसर्च एसोसिएट 09.02.1989 से 25.04.1991

**सदस्य** आजीवन सदस्य : भारतीय हिन्दी परिषद

**सेमिनार / कार्यशाला**

- राष्ट्रीय अधिवेशन–भारतीय हिन्दी परिषद् 12–13 अक्टबूर 2002
- अभिविन्यास–एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, गोरखपुर 23 अगस्त 2019 सितम्बर 2002
- साहित्य और विचारधारा : आधुनिक हिन्दी साहित्य के विशेष सन्दर्भ में (पुनश्चर्या) हिन्दी विभाग, गो. वि.वि. एवं एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, गोरखपुर का आयोजन 15 फरवरी–07 मार्च 2005।
- सदस्य, राजभाषा सलाहकार समिति, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा की चुनौतियां और शिक्षक दायित्व (एक दिवसीय कार्यशाला) एकेडेमिक स्टाफ कालेज, गोरखपुर 04 मार्च 2006
- स्वतन्त्रयोत्तर हिन्दी कथा साहित्य (पुनश्चर्या) हिन्दी विभाग,गो.वि.वि.एवं एकेडेमिक स्टाफ कालेज, गोरखपुर का आयोजन 23 मार्च से 17 अप्रैल 2006
- भारतीय इतिहास लेखन : चनुौतियां और नये आयाम। राष्ट्री य संगाष्ठी (दिग्विजयनाथ पी. जी.कालेज एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति का संयुक्त आयोजन) 22–23 दिसम्बर 2007।

- उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थितिः चुनौतियाँ एवं संभावनाएं (एक दिवसीय कार्यशाला) गुआक्टा का आयोजन 9 नवम्बर 2008
- समकालीन हिन्दी साहित्य (पुनश्चर्या) हिन्दी विभाग,गो.वि.वि.एवं एकेडेमिक स्टाफ कालेज, गोरखपुर का आयोजन 7 फरवरी से 27 फरवरी 2009
- साहित्य के अध्यापन की चुनौतियाँ (समकालीन हिन्दी साहित्य के विशेष सन्दर्भ में) श्री भगवान महावीर पी.जी.कालेज पावानगर, कुशीनगर 22 फरवरी 2009
- उच्च शिक्षा एवं हिन्दी हीरालाल रामनिवास पी.जी.कालेज, खलीलाबाद, संतकबीर नगर 5–6 फरवरी 2011
- प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा का आयोजित भारतीय संस्कृति में पर्यावरण की चेतना विषय पर दिनांक 21–22 फरवरी 2015 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''हिन्दी भक्ति काव्य में पर्यावरण चिन्तन'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- समाजशास्त्र विभाग दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयोजित Globalization, Media and Culture : Issues and Perspectives विषय पर दिनांक 27–28 फरवरी 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''वैश्वीकरण का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- अखिल भारतीय साहित्य परिषद, गोरक्षप्रान्त एवं नेशनल एजूकेशनल सोसाइटी, गोरखपुर द्वारा आयोजित छायावादी काव्य में राष्ट्रीय चेतना विषय पर दिनाकं 03–04 अप्रैल, 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''मौलिक राष्ट्रीय चिंतन छायावादी साहित्य'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- University of Petroleum & Energy Studies द्वारा College of Legal Studies Juvenile Justice system : Trends and Challenges in Globalizing World विषय पर दिनांक 26–27 नवम्बर 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''An Illustration of Child Rights and Juvenile Delinquency in Hindi Literature" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा साहित्य आकादमी, नई द्वारा आयोजित ''आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना'' (भारतेन्दु युग से छायावाद तक) विषय पर दिनांक 07–08 मार्च 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''साहित्य और राष्ट्रीयता'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी तथा उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखन द्वारा आयोजित भारत की राष्ट्रीय चेतना और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त एवं लोकभाषा बुन्देली : वर्तमान दशा एवं नई संभावनाएं विषय पर दिनांक 03–04 अगस्त 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''राष्ट्रवाद की विचारधारा और मैथिलीशरण गुप्त, पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।
- इतिहास विभाग दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रान्त गोरखपुर तथा भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान

माधव संस्कृति नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में ''रम्या रामायणी कथा'' विषय पर दिनांक 12–13 अगस्त 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''अयाचक की अर्जी : विनय पत्रिका'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज एवं उच्चतर शिक्षा विभाग ॐ उ.प्र.शासन लखन द्वारा आयोजित The Role of Cooperation in Rural Economic Development पर दिनांक 23–24 मार्च 2018 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
- Institute for Social Development and Research Ranchi (Jhrakhand) द्वारा दिनांक 9–11 मार्च 2019 को आयोजित 15 वॉ अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में राष्ट्रीय एकीकरण में राजभाषा का महत्व : संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में एक मूल्यांकनपरक अध्ययन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ एवं युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखीमपुर खीरी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 14–15 दिसम्बर 2019 को आयोजित अन्तरानुशासनीय राष्ट्रीय संगोष्ठी–''उत्तर मध्यकालीन भारत में हिन्दी साहित्य और सौन्दर्य दृष्टि का अस्मिता–संघर्ष'' में हिन्दी के लक्षण ग्रन्थों की परम्परा और आचार्य जगत सिंह विषयक वक्तव्य।
- हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयागराज तथा नाथ चन्द्रावत महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 14–15 फरवरी 2020 को आयोजित हिन्दी भक्ति काव्य और समकालीन इतिहास बोध विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी भक्ति काव्य में कलिकाल की अवधारणा और इतिहास बोध विषयक विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत।
- महामाया राजकीय डिग्री कालेज मोहाना लखनऊ द्वारा दिनांक 03 जून 2020 को आयोजित अन्तर्रराष्ट्रीय वेबिनार में कोविड विषयक वक्तव्य।
- महामाया राजकीय डिग्री कालेज मोहाना लखनऊ द्वारा दिनांक 20 जून 2020 को आयोजित Role of Yoga & Environment in Protecting Human Existence विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में प्रकृति और योग विषयक महत्वपूर्ण वकतव्य।
- महामाया राजकीय डिग्री कालेज मोहाना लखनऊ द्वारा दिनांक 16 अगस्त 2020 को आयोजित Relationship Between Human Diseases and Environment विषयक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में अतिथि व्याख्यान।
- महामाया राजकीय डिग्री कालेज मोहाना लखनऊ द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2020 को आयोजित नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विषयक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में सहभागिता।

संयोजन राष्ट्रीय संगोष्ठी–रामचरिमानस में परिवार की अवधारणा 24–25 अक्टूबर 2008 प्रकाशन

क–लेखन/संपादन

- साहित्य सुधानिधिः शास्त्रीय मीमांसा 1986 (पुस्तक)
- वर्तमान जीवन संदर्भ और मानस कुटुम्ब 2013 (पुस्तक) सह–संपादन

सह–संपादन

- हिन्दवी (साप्ताहिक समाचार पत्र)
- राष्ट्रीयता के अनन्य साधक (तीन ख ड) ख–आलेख

ख– आलेख

- आचार्य जगत सिंह और उनकी कृतियाँ : एक परिचय नागरी प्रचारिणी पत्रिका, काशी
- मध्यकालीन हिन्दी कृष्ण भक्ति साहित्य में योगतत्व–प्रज्ञा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय जर्नल
- योग साधना की परम्परा और राममक्ति–सन्मार्ग, वारा ासी

- राष्ट्रीय चेतना के कवि : सुब्रम य भारती–गो.वि.वि. पत्रिका
- श्रीराधाकृष्ण भक्त कोश (भाग–5) में दो लघु निबन्ध
- मध्ययुगीन राममक्ति का मर्यादावादी स्वरूप और योग–भारतीय हिन्दी परिषद्
- राष्ट्रीय इतिहास : आवश्यकता सम्यक् दृष्टिको ा की–अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति नागपुर
- हिन्दी आलोचना और समकीनता–श्री भ.म.पी.जी.कालेज,कुशीनगर
- मध्यकालीन हिन्दी कृष्ण भक्ति साहित्य में योगतत्व : 'प्रत्यय' (संयुक्तांक जनवरी–जून 2016) सम्पादक डॉ. शर्वेश पाण्डेय–ISSN 0975-7821.
- प्रणति की परिणति : हनुमान बाहुक : 'भाषा परिचय' (सितम्बर 2018) सम्पादक अशफाक हुसैन– ISSN 2349-140x.

ग– कहानी संघर्ष के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय पत्रिका

घ – प्रसारण सन् 1978 से 1984 के मध्य 7 वार्तायें, 1 परिचर्चा तथा (आकाशवाणी गोरखपुर) युववाणी का प्रस्तुतीकरण

वर्तमान शोधकार्य

- राममक्ति साहित्य में योगतत्व
- गोरस्वामी तुलसीदास की परवर्ती सन्त परम्परा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण सन्त बनादास की हस्तलिखित कृतियों का संपादन/प्रकाशन
- निस्संग एक साहित्यकार की जीवन यात्रा का लेखन
- भुशुण्डि रामायण (संस्कृत) का हिन्दी अनुवाद
- प्रख्यात साहित्यकार स्व. आचार्य भगवती प्रसाद सिंह द्वारा आरम्भ की गयी श्रीराम विश्वकोश एवं पदुमावति संपादन योजना का कार्य पूरा करना
- उत्तर मध्यकाल के कवि आचार्य जगत सिंह की समस्त रचनाओं को प्रकाश में लाने की योजना

विशेषज्ञता मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य

अध्यापन अनुभव

- सम्प्रति दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (13 फरवरी 2007 से अद्यतन)
- भटवली बाजार महाविद्यालय गोरखपुर में दिनांक 26 जुलाई 2001 से 12 फरवरी 2007 तक।
- का.सु.साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय अयोध्या, फैजाबाद में दिनांक 26 अप्रैल 1991 से 25 जुलाई 2001 तक।
- गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में रिसर्च एसोसिएट के रूप में दिनांक 09 फरवरी 1989 से 25 अप्रैल 1991 तक।

व्यवस्थापक

- अवध साहित्य मन्दिर (प्रकाशन संस्थान, स्थापित 1952)

**स्थान – गोरखपुर** **नाम –** सत्येन्द्र प्रताप सिंह